# अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

## राष्ट्रीय साधारण सभा

**25 सितम्बर 2016, डोल आश्रम, जिला-अल्मोड़ा ( उत्तराखण्ड )**

# महामंत्री प्रतिवेदन

8 अक्टूबर 2015 को नागपुर (महाराष्ट्र) में महासंघ की राष्ट्रीय साधारण सभा की बैठक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल जी की अध्यक्षता एवं संरक्षक प्रो. के. नरहरि जी के सानिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में महामंत्री के प्रतिवेदन का सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। कोषाध्यक्ष द्वारा गत वर्ष के अंकेक्षित आय-व्यय का हिसाब सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। साधारण सभा में सदस्यता अभियान निश्चित अवधि में पूरा करने एवं महिला सहभाग अभिवृद्धि वर्ष 2014-15 की समीक्षा की गई एवं इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर सहमति बनी। महासंघ के संविधान में प्रत्येक राज्य स्तरीय संगठन से एक महिला प्रतिनिधि को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सम्मिलित करने, सम्बद्धता शुल्क 1000 रुपये करने एवं प्रत्येक विश्वविद्यालय संगठन से वार्षिक सदस्यता शुल्क कम से कम 1000 रुपये करने के संशोधन की पुष्टि की गई। साधारण सभा में तीन प्रस्ताव पारित किये गये जिन्हें आवश्यक कार्यवाही के लिए सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों/ शिक्षा मंत्रियों एवं भारत सरकार के प्रधानमंत्री एवं मानव संसाधन विकास मंत्री को प्रेषित किया गया। ये तीन प्रस्ताव थे- (1) शिक्षा एकात्मक मानव निर्माण करने वाली हो, (2) बाबा साहेब अम्बेडकर के शैक्षिक विचारों को कार्यक्षेत्र में उतारें (3) शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाये।

**त्रैवार्षिक छटा राष्ट्रीय अधिवेशन**

9 से 11 अक्टूबर 2015 को डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति परिसर, रेशिम बाग, नागपुर (महाराष्ट्र) में देश के सभी 9 क्षेत्रों से 25 राज्यों के 246 जिलों से 1400 से भी अधिक जिला स्तर व ऊपर तथा 68 विश्वविद्यालय संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया। 'शाश्वत जीवन मूल्य' विषय पर केन्द्रित अधिवेशन का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस ने तथा समापन प्रो. अनिरूद्ध देशपांडे जी (अ.भा.सम्पर्क प्रमुख-रा.स्व.संघ) ने किया। 'वर्तमान में शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ व समाधान' विषय पर माननीय डॉ. बजरंग लाल जी गुप्त का तथा 'शिक्षा में जीवन मूल्य' विषय पर स्वामी आत्मप्रियानंद जी (कुलपति, स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, कोलकाता) तथा 'बाबा साहेब अम्बेडकर के शैक्षिक अवदान' पर श्री हनुमान सिंह जी राठौड़ का व्याख्यान हुआ। अधिवेशन में तीन प्रस्ताव पारित हुए। संगठन यात्रा पर एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई गई।

इस अवसर पर महासंघ द्वारा नियोजित प्रथम 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में तीन शिक्षा मनीषियों डॉ. प्रभाकर लक्ष्मण गावडे जी (महाराष्ट्र), प्रो. जी.एस. मुंडबडित्ताया जी (कर्नाटक) तथा आदरणीय इन्दुमति काटदरे जी (गुजरात) को सम्मानित किया गया। जिसमें प्रत्येक को रजत चिन्ह, सम्मान पत्र के साथ एक-एक लाख की राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में केन्द्रीय भूतल एवं जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी जी का उद्बोधन तथा स्वामी आत्मप्रियानन्द जी का आशीर्वचन प्राप्त हुआ।

**राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक**

1. **अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 8 अक्टूबर 2015 को नागपुर ( महाराष्ट्र ) में सम्पन्न हुई।** इसमें महामंत्री प्रतिवेदन तथा साधारण सभा के समक्ष प्रस्तुत किये जाने वाले 3 प्रस्तावों को अन्तिम रूप दिया गया। देश में सम्पन्न हुए गुरुवन्दन कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई एवं उनकी समीक्षा की गई। शिक्षा नीति पर सम्पन्न हुए कार्यक्रमों एवं शिक्षा नीति के सम्बन्ध को शासन को दिये गये ज्ञापनों की जानकारी प्राप्त की गई। शिक्षक समस्याओं के समाधान

पर विस्तार से चर्चा की गई।

2. **अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 6 एवं 7 फरवरी 2016 को रांची ( झारखण्ड ) में सम्पन्न हुई।** नई शिक्षा नीति के सम्बन्ध में किये गये प्रयासों की जानकारी प्रदान की गई। संवर्गश: शिक्षक समस्याओं, 7वें वेतनमान से सम्बन्धित विसंगतियों पर एक समिति का गठन कर आये सुझाव सरकार को देने एवं संगठन द्वारा निर्धारित स्थाई कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। शिक्षक समस्याओं के समाधान के सम्बन्ध में सुझाव आमंत्रित किये गये। स्वतन्त्र भारत की शिक्षा पर माननीय अनिरूद्ध देशपाण्डे जी का प्रबोधन हुआ और श्रीमान् सुदर्शन भगत केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार का उद्‌बोधन हुआ।

3. **अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 22 मई 2016 को मैसूर ( कर्नाटक ) में सम्पन्न हुई।** बैठक में 128 सदस्य उपस्थित रहे। सातवें वेतन आयोग के समक्ष दिये गये ज्ञापन पर चर्चा हुई तथा यू.जी.सी. वेतन समिति बनाने की मांग की गई। यू.जी.सी. वेतन समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जाने वाले प्रतिवेदन की तैयारी के लिए दिल्ली में एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। महासंघ के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर चर्चा की तथा दिल्ली में आयोजित किये जाने 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की गई।

**उच्च शिक्षा संवर्ग बैठक**

**7 अगस्त 2016 को हरियाणा भवन, नई दिल्ली** में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षा में 7वें वेतन निर्धारण के लिए निर्मित प्रो. वी.एस. चौहान समिति को संगठन द्वारा दिये जाने वाले सुझावों पर चर्चा हेतु एक दिवसीय बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें 15 राज्यों से 35 विश्वविद्यालयों के 65 प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं ने परस्पर विचार मंथन कर समिति को दिये जाने वाले सुझाव तैयार किये जिसे चौहान समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया। इसके लिए डॉ. चौहान समिति द्वारा 7 स्थानों पर आयोजित होने वाली कार्यशालाओं में अपने संगठन का मत प्रकट करने का भी निश्चय किया गया।

**प्राथमिक संवर्ग : राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक**

**5 फरवरी 2016 को प्राथमिक संवर्ग की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक राँची ( झारखण्ड )** में सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता संवर्ग के अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह चौहान ने की। उपस्थित प्रतिनिधियों ने अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की। प्राथमिक संवर्ग के शिक्षकों की समस्याओं पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा इनके निराकरण के लिए अविलम्ब आवश्यक कार्यवाही करने का महासंघ को आग्रह किया गया। प्राथमिक संवर्ग की विस्तार योजना पर विचार कर राज्यश: सम्मेलन करने पर सहमति बनी। बैठक का संचालन संवर्ग के सचिव श्री हिम्मत सिंह जैन ने किया।

**केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक**

**18-19 दिसम्बर, 2015 जयपुर ( राजस्थान ) में केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई।** शाश्वत जीवन मूल्य जन जागरण अभियान को अधिक व्यापक बनाने, समर्थ भारत आयाम के अन्तर्गत कार्यक्रम सम्पन्न करने की योजना बनाने पर विचार किया गया। इसमें महासंघ की आगामी वार्षिक योजना, नागपुर में 9-11 अक्टूबर, 2015 को सम्पन्न छठवें राष्ट्रीय अधिवेशन की समीक्षा की गई। सम्बद्ध संगठनों द्वारा केन्द्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति, प्रवास योजना, कार्य विस्तार, विभिन्न आयामों, प्रकोष्ठों के कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक में प्रो. अनिरूद्ध जी देशपाण्डे (अ.भा. सम्पर्क प्रमुख, रा.स्व.संघ) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

**पदाधिकारी प्रवास**

संगठन की योजना से राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रान्तों में प्रवास किया। संबद्ध संगठनों के प्रान्तीय अधिवेशन, अभ्यास वर्ग, कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रमों, गुरु वन्दन के कार्यक्रमों, प्रान्तीय बैठकों, सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों, आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों आदि में महासंघ के अध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री, सह संगठन मंत्री, अतिरिक्त महामंत्री, कोषाध्यक्ष, क्षेत्र प्रमुख, संवर्गों के उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा के प्रभारी आदि पदाधिकारियों ने भाग लिया।

**सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक समरसता**

सम्बद्ध संगठनों द्वारा सामाजिक सरोकारों के अनेक कार्यक्रम भी सम्पन्न किये। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करने, विभिन्न राज्यों में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, गुजरात में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर, जल संरक्षण, राजस्थान एवं केरल में सामाजिक समरसता दिवस कार्यक्रम, कई राज्यों में रक्तदान शिविर, पौधारोपण जैसे अनेक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग**

**महासंघ की योजना से 22 से 24 मई 2016 को मैसूर ( कर्नाटक ) में अखिल भारतीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग सम्पन्न हुआ।** इस अभ्यास वर्ग के नौ सत्रों में कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यशैली, कार्यकर्ता का व्यवहार एवं कार्यपद्धति पर चर्चात्मक संवाद हुआ। इसमें 17 राज्यों के 128 कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए। तीन दिन चले इस अभ्यास वर्ग में महासंघ के वैचारिक अधिष्ठान सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को केन्द्र मानते हुए कार्यकर्ता निर्माण पर बल दिया गया।

कार्यकर्ताओं की गुणवत्ता, कार्यशैली, कार्य व्यवहार एवं ध्येय स्मरण हेतु दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, केरल आदि राज्यों में विभिन्न स्तरों पर संगठन परिचय वर्ग, प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्गों का आयोजन किया गया। इनमें महासंघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

**संगठन के स्थायी कार्यक्रम**

**कर्त्तव्य बोध दिवस**

12 जनवरी से 23 जनवरी (स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती) के मध्य कर्तव्य बोध दिवस के कार्यक्रम महासंघ के सभी सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। पिछले वर्षों में इसका व्यापक संख्यात्मक विस्तार हुआ है। इस वर्ष महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर तक की इकाईयों द्वारा भी कर्तव्य बोध के कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। इन कार्यक्रमों में शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शिक्षा अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। स्थान-स्थान पर इन कार्यक्रमों की प्रशंसा की गयी।

**वर्ष प्रतिपदा**

वर्ष प्रतिपदा पर प्रतिवर्ष की भांति शुभेच्छा एवं अन्य कई प्रकार के कार्यक्रम महासंघ के कार्यकर्ताओं एवं सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। अनेक स्थानों पर नव वर्ष के अवसर पर 'वैज्ञानिक है हमारा नववर्ष' विषय पर संगोष्ठियाँ आयोजित की गयी।

**गुरुवन्दन कार्यक्रम**

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महासंघ की सम्बद्ध इकाईयों द्वारा खंड/ तहसील एवं महाविद्यालय स्तर तक की इकाईयों द्वारा गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। महर्षि वेद व्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में भारतीय शिक्षक परम्पराओं का परिचय कराने के सन्दर्भ में 21 राज्यों में लगभग 680 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए जिनमें पचास हजार से अधिक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने सहभाग किया। समाज के श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन इन कार्यक्रमों में प्राप्त हुआ। कई सम्बद्ध संगठनों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सार्वजनिक कार्यक्रम भी सम्पन्न किये गये।

**शिक्षक समस्याओं के समाधान**

महासंघ से संबद्ध राज्य संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों ने वेतनमान, पदनाम, छठे वेतनमान की विसंगतियों को दूर करने, सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने, नियमित नियुक्ति, शिक्षा आयोग का गठन करने, प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने, शिक्षा पर किये जाने वाले व्यय में वृद्धि करने, सभी शिक्षकों को न्यूनतम वेतनमान अवश्य प्रदान करने आदि की मांगों को लेकर शासन को ज्ञापन देने एवं विरोध प्रदर्शन, धरने, सामूहिक अवकाश आदि कार्यक्रम सम्पन्न किये। शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में महासंघ द्वारा

सातवें वेतन आयोग को एक व्यापक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार के ज्ञापन सम्बद्ध संगठनों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं द्वारा भी दिये गये।

महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी से महासंघ के द्वारा प्रस्तुत किये गये ज्ञापन पर चर्चा की। चर्चा बहुत सकारात्मक रही, जिसमें माननीय मंत्री द्वारा नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के प्रावधानों को सुसंगत बनाने, सम्पूर्ण देश के शिक्षकों के पदों का नामकरण एक समान करने, रिक्त पदों पर तुरन्त भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने, पी.एच.डी. 2009 के नियमों की कठिनाईयों को दूर करने, सीनियर को जूनियर से कम वेतन प्राप्त होने की विसंगतियों को दूर करने के सम्बन्ध में सहमति जताई। अन्य विषयों पर सहानुभूतिपूर्ण विचार करने के लिए आश्वस्त किया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पीएच.डी. 2009 एवं ए.पी.आई. के सम्बन्ध में सकारात्मक आदेश भी जारी किये हैं। महासंघ को इसके लिए मंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया। महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल ने वर्तमान मंत्री माननीय प्रकाश जी जावडेकर जी से मिलकर उन्हें शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया।

6 जून 2016 को दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न शिक्षक संगठनों की सम्मिलित बैठक में शैक्षिक महासंघ के 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने सहभाग किया। जिसमें आयोग के अध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश जी तथा आयोग के कई सदस्य उपस्थित थे। शैक्षिक महासंघ द्वारा विभिन्न मुद्दे जैसे पी.एच.डी. नियमों को पूर्वव्यापी समय से लागू न किये जाने, छठे वेतनमान के क्रियान्वयन से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर करने के लिए ध्यान आकर्षित किया।

**शैक्षिक मंथन मासिक**

शैक्षिक मंथन (मासिक) पत्रिका लगभग गत 10 वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है। शैक्षिक विषयों को लेकर पत्रिका में सामग्री प्रकाशित की जा रही है। अनेक संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा शैक्षिक मंथन पत्रिका की विषय सामग्री, मुद्रण एवं आकल्पना की प्रशंसा की गई है।

'कैसी हो बढ़ते भारत की शिक्षा नीति' विशेषांक का विमोचन समारोह 7 दिसम्बर 2015 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री वासुदेव देवनानी, शिक्षा राज्यमंत्री, राजस्थान एवं श्री हनुमान सिंह राठौड़, क्षेत्रीय कार्यवाह-रा.स्व.संघ का मार्गदर्शन मिला। 'नई शिक्षा नीति' पर 29 नवम्बर, 2015 को जयपुर में संगोष्ठी आयोजित की गई। इसी प्रकार 'शिक्षक प्रशिक्षण' में अपेक्षित सुधार हेतु 6 मार्च, 2016 को जयपुर में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। 30 व 31 जुलाई 2016 को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर व शैक्षिक मंथन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय संगोष्ठी 'रीट सभागार' अजमेर में 'माध्यमिक शिक्षा प्रणाली समीक्षा एवं समुन्नयन' विषय पर सम्पन्न हुई।

**शिक्षा समूह बैठक**

महासंघ के प्रतिनिधियों ने 23-24 जुलाई 2016 को दिल्ली में सम्पन्न शिक्षा समूह बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर महासंघ का दृष्टिकोण रखा। विद्यालय शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं शाश्वत जीवन मूल्य अभियान पर महासंघ द्वारा अभिमत रखा गया। नवीन शिक्षा नीति पर महासंघ का दृष्टिकोण भी रखा गया तथा विभिन्न विषयों पर देशभर में आयोजित होने वाली संगोष्ठियों की जानकारी प्रदान की।

**महिला समन्वय**

अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखने वाले संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं के प्रबोधन हेतु सम्पन्न होने वाली महिला समन्वय बैठकों में शैक्षिक महासंघ से सम्बद्ध संगठनों की महिला कार्यकर्ता ऐसी होने वाली बैठकों में भाग लेती हैं। इस वर्ष 17 व 18 सितम्बर, 2016 को कानपुर (उ.प्र.) में सम्पन्न महिला समन्वय बैठक में 10 महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

**शिक्षाविदों का अखिल भारतीय डेटा बैंक**

शिक्षाविदों/ विषय विशेषज्ञों के डेटा बैंक को निरंतर व्यापक बनाया जा रहा है।

**नवीन शिक्षा नीति**

महासंघ के राज्यस्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय स्तरीय संगठनों द्वारा नई शिक्षा नीति पर बड़ी संख्या में संगोष्ठियों एवं परिचर्चाओं का आयोजन किया गया तथा उनसे प्राप्त निष्कर्षों को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अनेक मंचों पर महासंघ के पदाधिकारियों ने शिक्षा नीति पर महासंघ का मन्तव्य स्पष्ट किया।

**शाश्वत जीवन मूल्य - जन जागरण अभियान**

भारतीय जनमानस की पहचान जिन शाश्वत जीवन मूल्यों से थी, धीरे-धीरे इनका क्षरण हुआ है और हमारी श्रेष्ठ परम्पराएं लुप्त हुई हैं। भ्रष्टाचार का संकट, राष्ट्रीयता के क्षरण, सामाजिक चेतना के अभाव एवं सांस्कृतिक व चारित्रिक संकटों का सामना करने के लिए शाश्वत जीवन मूल्य विषय को आधार बनाकर सम्पूर्ण देश में भारतीय जीवन मूल्यों की श्रेष्ठ परम्परा को सुदृढ़ करने के ध्येय से इसे दीर्घ-कालीन जन जागरण अभियान के रूप में चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से गाँव-गाँव एवं विद्यालय-विद्यालय तक पहुँचने का प्रयास है। इस वर्ष तहसील/ खंड स्तर पर पहुँचने की योजना बनी है।

**सम सामयिक विषयों पर अपना पक्ष रखना**

समय समय पर समसामयिक विषयों पर महासंघ का मत सरकार, शासन एवं समाज के समक्ष शीघ्र रखने के लिए व्यवस्था बनाने के सम्बन्ध में पहल की गई है। राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान, विदेशी विश्वविद्यालयों का देश में प्रवेश, बिना परीक्षा अगली कक्षा में प्रमोशन की नीति, सी.सी.ई., नियामक आयोग की स्थापना, नवीन शिक्षा नीति आदि विषयों पर महासंघ का सुविचारित मत सरकार एवं शासन के समक्ष रखा गया है।

**शिक्षक सम्मान**

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा क्षेत्र में असाधारण योगदान देने वाले शिक्षकों का प्रतिवर्ष सम्मान करने का निर्णय लिया है। प्रथम 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम विक्रम संवत् 2072 (सन् 2015) नागपुर (महाराष्ट्र) में 10 अक्टूबर, 2015 को सम्पन्न हुआ। असाधारण योगदान करने वाले अद्‌भुत प्रतिभा के धनी शिक्षकों की खोज कर उनके नाम मय सम्पूर्ण जानकारी (दस्तावेजों सहित) भेजने के लिए सभी सम्बद्ध संगठनों को आग्रह किया गया था। इस सम्मान का नाम **शिक्षा भूषण** रखा गया है और सम्मान की राशि प्रत्येक की न्यूनतम एक लाख रुपये रखी गई है। इस हेतु 'शिक्षक सम्मान निधि' के लिए देशभर के प्रत्येक सदस्य से 100 रु. सहयोग लेने का निर्णय किया गया।

द्वितीय 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम 24 जुलाई 2016 को दिल्ली में सम्पन्न हुआ। परम पूजनीय सरसंघचालक माननीय मोहन भागवत जी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे एवं विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्डया जी विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह में डॉ. प्रभाकर भानुदास मांडे, सुश्री मञ्जुश्री वलवन्तराव रहालकर तथा श्रीमान दीनानाथ बत्रा जी को 'शिक्षा-भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया।

**सम्बद्ध संगठनों की उल्लेखनीय गतिविधियाँ**

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बिहार** द्वारा कर्तव्य बोध के 3 जिलों में 4 कार्यक्रम सम्पन्न। शाश्वत जीवन मूल्यों पर एक कार्यशाला सम्पन्न। नई शिक्षा नीति पर राज्य सरकार द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सहभाग।

**राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ ( राष्ट्रीय )** द्वारा लम्बित शिक्षक समस्याओं को लेकर राजस्थान सरकार एवं महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन दिया। नवसंवत्सर पर कालगणना पर आयोजित संगोष्ठी को उत्तर पश्चिम क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमान सिंह राठौड़ द्वारा सम्बोधित किया गया। 31 दिसम्बर, 2015 व 1 जनवरी 2016 को सीकर में 54 वाँ प्रान्तीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमें प्रदेश के 1630 से अधिक प्राध्यापक सम्मिलित हुए। अधिवेशन में '**संगच्छध्वम्**' स्मारिका का प्रकाशन किया गया। 31 जिलों के 128 स्थानों पर गुरुवन्दन एवं 30 जिलों के 119 स्थानों पर कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 12 विभागीय सम्मेलन सम्पन्न हुए जिनमें नवीन शिक्षा नीति पर विशेष विचार-विमर्श हुआ। 100 स्थानों पर नवसंवतसर कार्यक्रम तथा 10 स्थानों पर बाबा

साहब अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अंडमान एण्ड निकोबार** द्वारा पोर्ट ब्लेयर में शिक्षा के अधिकार पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

**राजस्थान शिक्षक संघ ( राष्ट्रीय )** के आह्वान पर शिक्षकों ने राजधानी जयपुर में एकत्रित होकर सरकार के मनमानीपूर्ण निर्णयों के विरोध में शिक्षा मंत्री को ज्ञापन दिया। डॉ. बाबासाहब अंबेडकर जयन्ती पर सामाजिक समरसता दिवस कार्यक्रम समारोहपूर्वक मनाया। केन्द्र के समान वेतनमान की मांग को लेकर धरना दिया गया एवं गिरफ्तारी दी गई। एकीकरण एवं समानीकरण के नाम पर शासन की मनमानी के विरोध में उपखण्ड स्तर, जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर सद्‌बुद्धि यज्ञों का आयोजन किया गया। जयपुर में शाश्वत जीवन मूल्यों पर सार्वजनिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रदेश महासमिति अधिवेशन पाली में सम्पन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक सम्मिलित हुए। 26-27 नवम्बर, 2015 को जयपुर में प्रदेश सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसमें 5000 से अधिक शिक्षक सम्मिलित हुए। 38 जिलों में 148 स्थानों पर गुरुवन्दन तथा 278 कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**दिल्ली अध्यापक परिषद** द्वारा शासन से वार्ता कर शिक्षकों की अनेक समस्याओं का समाधान कराया। 13 स्थानों पर कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुये। निगम निकाय द्वारा ग्रीष्मावकाश में कमजोर बच्चों के लिए एक नि:शुल्क शिक्षा शिविर आयोजित किया। 28 फरवरी 2016 को नवीन कार्यकर्ता परिचय वर्ग तथा 11-12 मई 2016 को हरिनगर, दिल्ली में प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यासवर्ग सम्पन्न हुआ।

**एन.डी.टी.एफ., दिल्ली** द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं माननीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय को मांग पत्र प्रस्तुत किया।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गुजरात** द्वारा प्रदेश स्तर पर अहमदाबाद में शाश्वत जीवन मूल्य एवं एकात्ममानव दर्शन पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ। सौराष्ट्र संभाग बैठक अप्रैल माह में सम्पन्न।

**महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, वडोदरा ( गुजरात )** द्वारा 'बाबा साहब अम्बेडकर आज के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

**छत्तीसगढ़ प्रदेश उच्च शिक्षा संवर्ग** का 11 सितम्बर, 2016 को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों का एक प्रान्तीय सम्मेलन रायपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ की कार्यकारिणी घोषित हुई।

**छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक संघ** - गुरुवंदन के 4 जिलों में 12 स्थानों पर तथा कर्तव्य बोध के 3 जिलों में 4 कार्यक्रम सम्पन्न।

**मध्यप्रदेश शिक्षक संघ** की समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को लेकर सरकार ने एक समिति का निर्माण किया है और रिक्त पदों पर नियुक्ति भी दी गई है। 40 जिलों में 45 गुरु वन्दन तथा 35 जिलों में 88 कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। सम्भागीय सम्मेलन भी आयोजित किये गये।

**देशीय अध्यापक परिषद ( एन.टी.यू. ) केरल** - जनवरी में जिला सम्मेलन एवं 6-7 फरवरी 2016 को राज्य का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। अगस्त मास में प्रदेश महिला सम्मेलन आयोजित हुआ।

**तेलंगाना प्रांत उपाध्याय संघ** के द्वारा 6 जिलों में 9 गुरुवन्दन तथा 23 कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिलाश: कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, कर्तव्य बोध दिवस, स्वामी विवेकानन्द जयंती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती, माँ सरस्वती पूजन जैसे कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 8 व 16 फरवरी, 2016 को क्रमश: जिला एवं राज्य स्तर पर धरना कार्यक्रम संपन्न हुए। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अनेक समस्याओं को लेकर उच्च शिक्षा के संगठन द्वारा शासन को ज्ञापन दिये एवं विरोध जताया। हैदराबाद में संगठन के क्रय किये कार्यालय का उद्‌घाटन हुआ।

**आन्ध्र प्रदेश उपाध्याय संघ** द्वारा आयोजित धरने पर बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। संगठन द्वारा प्रशिक्षित अध्यापकों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की। 100 स्थानों पर स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, महिला सम्मेलन आयोजित किया एवं रक्तदान

शिविर लगाया गया।

**महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद** द्वारा 10 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम हुए। शासन के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया।

**महाराष्ट्र में विद्यापीठ शिक्षण मंच एवं अन्य विश्वविद्यालय संगठनों** द्वारा नेट/ स्लेट में छूट, सेवानिवृत्ति आयु में बढ़ोतरी, एरियर का भुगतान आदि की मांग को लेकर मुंबई, पूना, जलगाँव, अमरावती, गढ़चिरोली, औरंगाबाद एवं नागपुर में आन्दोलन चलाया। प्राध्यापकों की वेतन समस्या को लेकर संभाग स्तर पर आन्दोलन किया। गुरुवन्दन के कई कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**महाराष्ट्र राज्य मान्य खाजगी प्राथमिक शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर महासंघ** द्वारा स्कूलों की मान्यता रद करने एवं शिक्षकों की सेवा समाप्त करने के विरोध में ज्ञापन एवं धरना दिया। शिक्षक समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री से भेंट की गई। राज्य में 7 गुरुवन्दन व 5 कर्तव्य बोध के कार्यक्रम सम्पन्न।

**राष्ट्रवादी शिक्षक परिषद ओडिशा द्वारा** कर्तव्य बोध दिवस के 7 कार्यक्रम सम्पन्न किये। गुरुवन्दन कार्यक्रम 13 जिलों में सम्पन्न हुए, शिक्षा नीति पर भुवनेश्वर में संगोष्ठी हुई तथा प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई। परीक्षा बहिष्कार जैसे आन्दोलन सम्पन्न हुए।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, झारखण्ड** द्वारा 12 जिलों में 36 स्थानों पर गुरुवंदन तथा 17 जिलों के 34 स्थानों पर कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। छठे वेतनमान की विसंगतियों के लिए आंदोलन तथा राँची में सम्मेलन सम्पन्न।

**झारखण्ड प्रदेश संस्कृत शिक्षक संघ** द्वारा रक्षाबन्धन एवं संस्कृत दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा गुरुवंदन के 6 एवं कर्तव्य बोध के 6 कार्यक्रम आयोजित किये गये।

**ऑल जम्मू-कश्मीर एण्ड लद्दाख टीचर्स फेडरेशन** द्वारा 4 जिलों में गुरुवंदन के 4 तथा कर्तव्य बोध के 5 जिलों में 5 कार्यक्रम सम्पन्न हुए। पूँछ में एक शैक्षिक संगोष्ठी आयोजित की गई। 13 जून 2016 को जम्मू में प्रथम प्रदेश सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसमें 10 जिलों से 300 से अधिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। इसी प्रकार पटनी टॉप, उधमपुर में प्रदेश कार्यकर्ता वर्ग 8-9 जुलाई, 2016 को सम्पन्न हुआ।

**जातियतावादी अध्यापक औ गवेषक संघ, प. बंगाल** द्वारा एक कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न।

**बंगीय नव उन्मेष प्राथमिक शिक्षक संघ** द्वारा 9 जिलों में 12 गुरुवन्दन कार्यक्रम एवं 10 जिलों में 30 कर्तव्य बोध के कार्यक्रम में सम्पन्न हुए।

**बंगीय शिक्षक ओ शिक्षाकर्मी संघ द्वारा** 2 जिलों में जिला स्तरीय सम्मेलन एवं 5 स्थानों पर कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रांत के दो स्थानों पर कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग आयोजित, जिनमें नवीन शिक्षक कार्यकर्त्ताओं का अधिक समावेश हुआ।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तरप्रदेश** द्वारा मंडल स्तर पर सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया गया। शिक्षक समस्याओं को लेकर मंडलों में आन्दोलनात्मक कदम उठाये। 'सत्ता एवं व्यवस्था परिवर्तन में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर काशी में संगोष्ठी सम्पन्न हुई। कुछ स्थानों पर महिला सम्मेलन किये गये। 12 जिलों के 20 स्थानों पर गुरुवन्दन तथा 21 जिलों में 21 कर्तव्य बोध कार्यक्रम किये गये। 'शाश्वत जीवन मूल्य' पर काशी में आयोजित संगोष्ठी में उ.प्र. के महामहिम राज्यपाल की विशेष उपस्थिति रही। लखनऊ में प्रदेश के नव निर्मित कार्यालय भवन का 12 अगस्त को गृहप्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तराखण्ड** द्वारा 3 जिलों में 7 कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

**कर्नाटक राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ** बेंगलुरू उत्तर जिला द्वारा 28वां प्रतिभा पुरस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। इस समारोह में 300 मेधावी छात्रों एवं 71 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार बेंगलुरू दक्षिण जिला सहित 8 स्थानों पर प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न हुए। कर्तव्य बोध 13 जिलों के 27 स्थानों पर तथा परीक्षा पूर्व नि:शुल्क कक्षाएं 3 जिलों में आयोजित। गुरुवन्दन के 15 जिलों में 30 कार्यक्रम सम्पन्न।

**हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ** शिमला, सोलन, मण्डी व कांगडा जिला इकाई ने अनेक विद्यालयों के चुने हुए प्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों को सम्मानित किया। गुरुवन्दन के 10 व कर्तव्य बोध के 4 जिलों में 4 कार्यक्रम सम्पन्न।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, हरियाणा प्रदेश** का प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, हथनी कुंड जिला यमुनानगर में सम्पन्न हुआ।

**हरियाणा प्रदेश के उच्च शिक्षा** संवर्ग द्वारा 4 स्थानों पर 4 गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**नवीन सम्बद्धता**

इस सत्र में विश्वभारती शैक्षिक संघ, शान्ति निकेतन (पश्चिम बंगाल), सरगुजा विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) तथा केरल मेडिकल यूनीवर्सिटी टीचर्स संघ, केरल एवं सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, पुणे (महाराष्ट्र) को सम्बद्धता प्रदान की गई।

**वार्षिक कार्य योजना 2016-17**

- राष्ट्रीय कार्यसमिति : माध्यमिक संवर्ग - 23 सितम्बर, 2016 डोल आश्रम, जिला अल्मोडा (उत्तराखण्ड)
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक : 24-25 सितम्बर, 2016 डोल आश्रम, जिला अल्मोडा (उत्तराखण्ड)
- राष्ट्रीय साधारण सभा बैठक : 25 सितम्बर, 2016 डोल आश्रम, जिला अल्मोडा (उत्तराखण्ड)
- उच्च शिक्षा संवर्ग : 10 स्थानों पर विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
- राष्ट्रीय कार्यसमिति : महिला संवर्ग बैठक 17 दिसम्बर, 2016 वडौदरा (गुजरात)
- अखिल भारतीय महिला कार्यकर्ता वर्ग : 17-18 दिसम्बर, 2016 वडौदरा (गुजरात)
- केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक : 19-20 दिसम्बर 2016, वडौदरा (गुजरात)
- राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक : प्राथमिक संवर्ग - 10 फरवरी, 2017, तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक : 11-12 फरवरी, 2017, तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)
- संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष, आयाम व प्रकोष्ठों की अलग-अलग बैठकें : आगामी दिनों में सम्पन्न होगी।

देश की वर्तमान परिस्थितियां शिक्षा एवं शिक्षक के लिए अत्यन्त चिन्ताजनक है। ऐसे में महासंघ की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण है। हमें राष्ट्र हित, शिक्षा हित एवं शिक्षक हित में कार्य करते हुए राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत ऐसे प्रतिमान स्थापित करने होंगे जिससे शासन को राष्ट्र हित में नीतियां बनाने एवं उन्हें लागू करने के लिए विवश होना पड़े। हमें कार्य विस्तार पर ध्यान देना होगा, वैचारिक अधिष्ठान को व्यापकता प्रदान करनी होगी एवं प्राप्त होने वाले अवसरों का उपयोग करना होगा। यह हम सब की निरन्तर सक्रियता, ध्येय स्पष्टता, परस्पर विश्वास, टीम भावना एवं कार्यक्रमों के लगातार आयोजन करने से ही सम्भव होगा।

भवदीय

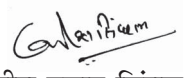

जगदीश प्रसाद सिंघल

महामंत्री